



(60)

न्यायालय 3.9.14  
को लगा. दस्तब पर्दा  
के चाहे बदल नहीं हो  
पुलिस।  
3.9.14

## न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्रालियर

पुनरीक्षण प्रकरण क्रमांक

/2014 जिला-सिंगरौली R. 2931-II/14



1. हरिशंकर पुत्र श्री मनीराम वैस,  
निवासी ग्राम भवेंरखोह, तहसील  
माड़ा, जिला सिंगरौली (मोप्रो)

2. जागमती पति सुभगलाल

3. रामजग पुत्र सुभगलाल,

4. रामनिवास पुत्र सुभगलाल

5. अरुण कुमार पुत्र सुभगलाल

6. गानप्रसाद पुत्र सुभगलाल

सभी निवासीगण ग्राम सिंधीकला,  
तहसील व जिला सिंगरौली (मोप्रो)

— आवेदकगण

### विरुद्ध

1. रामजी पुत्र श्री तुलसीराम शर्मा,  
निवासी ग्राम भवेंरखोह, तहसील  
माड़ा, जिला सिंगरौली (मोप्रो)

2. मध्यप्रदेश शासन, द्वारा कलेक्टर,  
सिंगरौली (म.प्र.)

— अनावेदकगण

न्यायालय कलेक्टर, जिला सिंगरौली द्वारा प्रकरण क्रमांक 58/2011-12  
निगरानी में पारित आदेश दिनांक 06.08.2014 के विरुद्ध मध्य प्रदेश  
भू-राजस्व संहिता की धारा 50 के अधीन पुनरीक्षण।

माननीय महोदय,

आवेदकगण की ओर से यह पुनरीक्षण निम्न तथ्यों व  
आधारों पर न्यायदान हेतु प्रस्तुत है :-

### मामले के संक्षिप्त तथ्य :

1. यहकि, आवेदकगण द्वारा ग्राम भवेंरखोह, तहसील माड़ा, जिला सिंगरौली  
में स्थित भूमि खसारा क्रमांक 247 रकवा 2.023 हैट्टेयर, पर दिनांक 26.  
12.1976 के पूर्व से अतिक्रमण कर काबिज होने के एवं भूमिहीन कृषक  
के होने के आधार पर भूमि व्यवस्थापन स्वीकार किये जाने की मांग  
तहसील न्यायालय सिंगरौली से की गयी थी।
2. यहकि, आवेदकगण के आवेदनपत्र के आधार पर नायब तहसीलदार,  
सिंगरौली द्वारा विधिवत रूप से प्रकरण क्रमांक 2/अ-19(4)/1985-86  
पंजीबद्ध कर कार्यवाही प्रारम्भ की गयी। प्रकरण में इश्तहार का विधिवत  
प्रकाशन किया गया एवं आपत्तियाँ आमंत्रित की गयी। तत्पश्चात्

3.9.14  
K.K. 31/17/2014

SD

## राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश - ग्वालियर

5-6

## अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक - निः। २७३१-टी। १५

जिला - निगरीली

पक्षकारों एवं अभिभाषकों  
आदि के हस्ताक्षर

स्थान एवं दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	
१३(८)०९.२०१८	<p>आवेदक की ओर से यह निगरानी.....को लेकर.....      .....निगरीली के प्रकरण क्रमांक .....२४।निः।।।।।१२.... में पारित      आदेश दिनांक .६.-८.-११ के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है। म.प्र. भू-      राजस्व संहिता में दिनांक 25.09.2018 को हुए संशोधन के      फलस्वरूप अब नवीन संशोधित संहिता की धारा 50 सहपठित      संहिता की धारा 54(ए) के अंतर्गत यह प्रकरण सुनवाई हेतु      .....आमुक्त रीवा संभाग रीवा को भेजा जाता है। भयपक्ष      प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक १८।१०।१९ को      .....आमुक्त रीवा संभाग रीवा के समक्ष उपस्थित है।</p> <p>(महेश चन्द्र चाधरी)      सदस्य</p> 	